



अंतर-सेवा संगठन (कमान, नयित्रण और अनुशासन) वधियक, 2023

प्रलिस के लयि:

अंतर-सेवा संगठन (कमान, नयित्रण और अनुशासन) वधियक, 2023, अंडमान और नकिकोबार कमांड, भारतीय सेना, नौसेना, वायु सेना कमांड ।

मेन्स के लयि:

अंतर-सेवा संगठन (कमान, नयित्रण और अनुशासन) वधियक, 2023 की मुख्य वशिषताएँ

चर्चा में क्यौं?

हाल ही में लोकसभा ने सशस्त्र बलों के बीच दक्षता, अनुशासन और एकजुटता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से [अंतर-सेवा संगठन \(कमान, नयित्रण और अनुशासन\) वधियक, 2023](#) पारति कया है ।

अंतर-सेवा संगठन (कमान, नयित्रण और अनुशासन) वधियक, 2023:

■ पृष्ठभूमि:

- वर्तमान में **सशस्त्र बल** के कर्मयिों को उनके वशिषिट सेवा अधनियिमों- **सेना अधनियिम, 1950**, नौसेना अधनियिम, 1957 और वायु सेना अधनियिम, 1950 में नहिति प्रावधानों के अनुसार नयित्त्रति कया जाता है ।
 - हालाँकि इनके क्यर्यौं की वविधि प्रकृति ने कभी-कभी अंतर-सेवा प्रतषिटानों में प्रभावी **अनुशासन, समन्वय और त्वरति कार्यावाही** हेतु चुनौतयिों पैदा की हैं ।
 - अंतर-सेवा संगठन (कमान, नयित्रण और अनुशासन) वधियक, 2023 अपने दूरदर्शी प्रावधानों के साथ इन चतिओं का समाधान करता है ।
- वर्तमान सेवा अधनियिम के नयिम एवं वनियिम, जो कई वर्षों तक समय और कानूनी जाँच का सामना कर चुके हैं, **ISO वधियक, 2023** के तहत कसि भी बदलाव के अधीन नहीं हैं ।

■ प्रमुख वशिषताएँ:

- प्रयोज्यता: यह वधियक सेना, नौसेना और वायु सेना के सभी नयिमति कर्मयिों पर लागू है ।
 - इसके अतरिकित केंद्र सरकार भारत में स्थापति और संचालति कसि भी बल को नामति करने का अधिकार रखती है, जसि पर वधियक के प्रावधान लागू होंगे ।
- अंतर-सेवा संगठन: मौजूदा अंतर-सेवा संगठनों को वधियक के तहत गठति माना जाएगा । इनमें **अंडमान और नकिकोबार कमांड, रक्षा अंतरकिष एजेंसी और राष्ट्रीय रक्षा अकादमी** शामिल हैं ।
 - केंद्र सरकार एक अंतर-सेवा संगठन का गठन कर सकती है जसिमें सेना, नौसेना और वायु सेना- तीनों सेवाओं में से कम-से-कम दो से संबंधति कर्मी हों ।

नोट:

- अंडमान और नकिकोबार द्वीप समूह में संयुक्त कमान भारतीय सशस्त्र बलों की पहली त्रि-सेवा थिएटर कमान/कमांड है, जो भारत के अंडमान और नकिकोबार द्वीप समूह के पोर्ट ब्लेयर में स्थति है ।
 - भारतीय सशस्त्र बलों के पास वर्तमान में 17 कमांड हैं । थल सेना और वायु सेना की 7-7 कमानें हैं । नौसेना के पास 3 कमान हैं ।
 - प्रत्येक कमांड का नेतृत्व 4-स्टार रैंक के सैन्य अधिकारी द्वारा कया जाता है ।
- वसितारति कमान और नयित्रण प्राधकिरण: वधियक के केंद्रीय सदिधांतों में से एक अंतर-सेवा संगठन के कमांडर-इन-चीफ (Commander-in-Chief) या ऑफिसर-इन-कमांड (Officer-in-Command) को कमान और नयित्रण प्राधकिरण का वसितार करना है ।
 - मौजूदा ढाँचे के वपिरीत जहाँ इन अधिकारयिों के पास अन्य सेवाओं के कर्मयिों पर अनुशासनात्मक तथा प्रशासनकि शक्तयिों का

अभाव है, वधियक उन्हें पूरण कमान और नयितरण का अधकार देता है ।

◦ इसमें अनुशासन बनाए रखना तथा सेवा कर्मयों द्वारा कर्तव्यों का उचित नषिपादन सुनश्चिति करना शामिल है ।

- **कमांडगि ऑफसिर (Commanding Officer):** यह बलि एक कमांडगि ऑफसिर की अवधारणा पेश करता है, जो कसिी यूनटि, जहाज़ या प्रतषिठान की देख-रेख के लयि ज़मिमेदार होता है ।
 - यह अधकारिी अपने यूनटि-वशिषिट कर्तव्यों के अलावा अंतर-सेवा संगठन के कमांडर-इन-चीफ या ऑफसिर-इन-कमांड द्वारा सौंपे गए कार्यों को भी करता है ।
- **केंद्र सरकार का प्राधकार:** एक अंतर-सेवा संगठन का अधीक्षण केंद्र सरकार में नहिति होगा ।
 - सरकार ऐसे संगठनों को **राषट्रीय सुरक्षा, सामान्य प्रशासन या सार्वजनकि हति** के आधार पर भी नरिदेश जारी कर सकती है ।

[स्रोत: पी.आई.बी.](#)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/inter-services-organisation-command,-control-discipline-bill-2023>

